Telecast of film "Rajiv's India"

1899. SHRI GURUDAS DAS GUPTA:
SHRI RAOOF VALIULLAH:
DR. C. SILVERA:
SHRI DHARAM CHANDER PRASHANT:
SHRI SURESH KALMADI:
SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA:
PROF. C. LAKSHMANNA:
SHRI B. SATYANARAYAN REDDY:
DR. BAPU KALDATE:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) the amount of money paid by the Press Trust of India to the producers of the film "Rajiv's India" by Jack Anderson for securing the telecast rights in India;

(b) the names and designation of officers who took the decision to purchase the film and by what authority did they do so;

(c) the name and designation of the officers who approved of the text, the contents and the commentary of the film;

(d) whether the film shown in the preview was in any way different from that telecast in other countries, if so, what is the difference;

(e) the reasons for which the telecast of the film was cancelled for Doordarshan viewers at the last moment; and

(f) whether it is likely to be shown in the near future and if so, when?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI V. N. GADGIL): (a) Press Trust of India is a private organisation and Government are not aware of any money being paid by it to the producers of the film "Rajiv's India".

(b) Government have not purchased the film.

(c) No approval was either sought or given for the commentary, script or contents of the film.

(d) Except for the deletion of two short sequences (showing the close-up of a child's face and scenes of riotings), Government do not have any knowledge whether the film shown in the preview organised by the PTI on 6th February, 1986 was, in any way, different from that telecast in other countries.

(e) After the preview, several of the invitees felt that the film did not present an accurate or balanced picture of the country and of recent events. In view of their strong reactions, it was felt that the question of its showing might be examined more thoroughly.

(f) A final decision has not yet been taken.

मध्य प्रदेश में अन्जोरा में कृषि मेला

1900. **श्री गोरेलाल खंडेलवाल**: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में अन्जोरा में आयोजित कृषि मेले में केन्द्र सरकार द्वारा किये गये व्यय का ब्यौरा क्या है ; और

(ख) उक्त मेले की विशेष उपलब्धियां क्या हैं ?

कृषि मंत्री (श्री बूटा सिंह) : (क) मध्य प्रदेश सरकार ने अंजोरा, मध्य प्रदेश में 14 से 26 जनवरी, 1986 तक एक जन-जागृति सम्मेलन आयोजित किया था जिसे बाद में 31 जनवरी, 1986 तक बढ़ा दिया गया था । कृषि मंत्रालय ने भी स्टाल/प्रदर्शनियां/पशु प्रदर्शन आदि आयोजित करके इस

सम्मेलन में भाग लिया था । इस पर किया गया व्यय नीचे दर्शाया गया है ।

(1) ग्रामीण विकास विभाग 0.41 लाख रुपये (लगभग)

(2) कृषि तथा सहकारिता विभाग में विस्तार निदेशालय 3.75 लाख रुपए

(3) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् 0.50 लाख रुपए

(ख) मध्य प्रदेश सरकार ने सूचना दी है कि इस सम्मेलन में लगभग 11 लाख व्यक्ति आए । इस मेले को देखने आये अधिकांश किसानों और संगोष्ठी में भाग लेने वाले अन्य लोगों ने कृषि उत्पादन में वृद्धि करने वाले नवीनतम वैज्ञानिक तथा प्रौद्योगिकी परिवर्तनों के बारे में जानकारी प्राप्त की । इस प्रदर्शनी को देखने वाले लोगों में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हुए नवीनतम विकास की जानकारी प्राप्त करने तथा उसका प्रयोग करने के लिए जागरूकता पैदा हुई ।

मध्य प्रदेश में "नाफेड" का जैव-उर्वरक संयंत्र

1901. **श्री प्यारे लाल खंडेलवाल** : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मध्य प्रदेश में इन्दौर में भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) हमारा जैव-उर्वरक एकक की स्थापना कब की गई थी ;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान इस एकक में कितना उत्पादन हुआ; और

(ग) क्या उक्त एकक लाभ में चल रहा है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

कृषि और सहकारिता विभाग में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) मध्य प्रदेश में भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विभाग संघ (नाफेड) द्वारा स्थापित जैव-उर्वरक उत्पादन एकक मई, 1985 में शुरू की गई थी ।

(ख) इस एकक को परीक्षण के तौर पर शुरू किए जाने के बाद एकक ने खरीफ, 1985 के बुआई मौसम से विभिन्न फसलों के लिए राइजोबियम कल्चर का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया । फरवरी, 1986 को समाप्त हुई छह महीनों की अवधि के दौरान इसने 56.61 मीटरी टन सामग्री का उत्पादन किया।

(ग) इसके प्रचालन का पहला साल अभी पूरा नहीं हुआ है, अत: इसके प्रचालनात्मक परिणाम (लाभ/हानि) जून, 1986 के अंत में लेखों को अंतिम रूप दिए जाने के बाद ही पता चलेंगे ।

Production of oil seeds

1902. PROF. C. LAKSHMANNA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) what is the present production of oil seeds in the country, State-wise;

(b) whether any research is being done to develop new high yielding varieties of oilseeds which are disease and drought resistants; and

(c) if so, the details thereof, the allocations made for the research during the Seventh Five Year Plan and the targets for production of oilseeds?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND COOPERATION (SHRI YOGENDRA MAKWANA): (a) The present production of nine oilseeds